Year 9, Issue Jan 2023

DEFENDER
डिफेन्डर

पहल भारत निर्माण की

Jan 2023
Rs. 30/-

नए साल के नए रंग

Year 9,Issue 2022

LEARN

MORE...

S. B. Prakashan

S.B. PRAKASHAN

About S.B. Prakashan

At S.B. Prakashan Pvt. Ltd., we are currently dealing with Textbooks and course books of grades 1st to 8th. We are associated with a larger group of M.S. Group of Companies, which is having its root in various other educational fields as well. Each year, we are growing as a company. We are making our name in one of the leading publication houses in the current market. Our books go through a careful examination and it is made sure that only standardised and quality content is published in our textbooks to provide students with the best of knowledge. We deal with various school boards and their syllabus for every subject. We have a prestigious batch of authors who work with top educational institutes. We cover not only North India but also deal with central and are looking forward to expanding further. We aim to provide the best quality material.

Book for your better Learning...

Contact : +91 920-547-6295
Mail : info@sbprakashan.com

Dr.AXICO
Way To Wellness

आपका अपना
आयुर्वेदिक क्लिनिक

DEFENDER
मासिक पत्रिका

RNI No.-DELMUL/2014/58060. Year 9,Issue December 2022

Postal Regd. No. DL(W)10/2227/2016-18

हाँ, लेखनी! हृत्पत्र पर लिखनी तुझे है यह कथा,
दृक्कालिमा में डूबकर तैयार होकर सर्वथा।
स्वच्छन्दता से कर तुझे करने पड़ें प्रस्ताव जो,
जग जायें तेरी नोंक से सोये हुए हों भाव जो।

-मैथिलीशरण गुप्त

जन मीडिया पब्लि, प्रा. लि. द्वारा प्रकाशित सभी पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से हमारा एक ही उद्देश्य है कि लेखनी से देश जागत हो और इसका गौरवशाली निर्माण के साथ भारत पुन: विश्व गुरू बने। लेखन के दौरान कभी कोई कटु शब्द भी कागज पर उधृत हो जाता है, इसका आशय किसी को आहत करना नहीं बल्कि उसको जगाना है। हमारा प्रयास रहता है कि हम पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखते हुए समाज के निर्माण में सदैव एक स्वस्थ योगदान देते रहें।

धनंजय कुमार सिंह
प्रधान संपादक

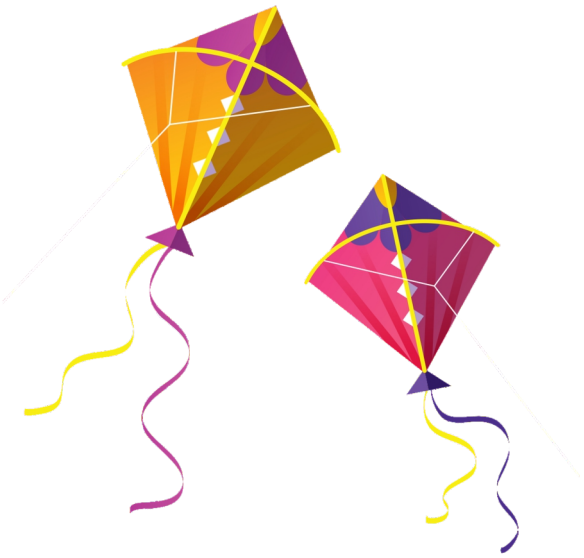

प्रधान संपादक
धनंजय कुमार सिंह
संपादक
प्रेरणा अग्रवाल
साहित्य संपादक
संतोष कुमार
प्रबंध संपादक
डा. अजय सिन्हा
विधि संपादक
सुश्री चंचल
राजनीतिक संपादक
प्रियंका सिंह
ग्राफिक्स डिजाइनर
नितेश कुमार राठौर
वितरण- रोहित जोशी

ब्यूरो चीफ

दिल्ली
अनुज तिवारी
हरियाणा
रविश कुमार
राजस्थान
शैलेन्द्र चौहान
उत्तर प्रदेश
अमित त्यागी, संदीप चंद्र, अशोक कु. सिंह
बिहार
संजय कुमार सिंह
रत्नाकर मिश्रा, बिजेंद्र सिंह
झारखण्ड
राजेश पांडेय
उत्तराखंड
मनोज सिंह
गुजरात
शैलेश भाई पटेल, रामचंद्र केशवला
महाराष्ट्र
नवल किशोर
कोलकाता
रंजित बोस
जम्मू एवं कश्मीर
नरेश शर्मा, अमरनाथ शर्मा
केरल
के. एम. मणी
हिमाचल प्रदेश
रमन सनोरिया, विजय कुमार राणा

सभी कानूनी विवादों का क्षेत्राधिकार दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा किसी भी लेख एवं सामग्री लेखकों के स्वयं के है। इससे प्रकाशक व संपादक की सहमत होना अनिवार्य नहीं है।

मुख्य कार्यालय : 29/2, विजय एन्कलेव, डाबरी पालम रोड़, नई दिल्ली-110045

TEL: +91 9971999976 **E-MAIL :** janmedia.in@gmail.com **WEBSITE :** janmedia.in

FACEBOOK : www.facebook.com / Nation Live **TWITTER :** @nationlive

YOUTUBE : www.youtube.com / Nation Live IPTV **INSTAGRAM :** @nation_live_

Jan Media Publication Pvt. Ltd.

स्वामित्वधिकारी- Janmedia Publication Pvt. Ltd. प्रकाशन व मुद्रक धनंजय कुमार सिंह द्वारा एशियन प्रिन्टवेल हाउस न. 240 नवादा नई दिल्ली से मुद्रित तथा WZ-30 वशिष्ठ पार्क सागरपुर से प्रकाशित।

- Beginning of New Year 5.
- Festival of New Year 6.
- New Year Celebrations 7.
- Education Expo 9.
- Lohri Festival 10.
- Makar Sakranti 11.
- Basant Panchami 12.
- Food Events 13.
- Journey of Kingsway to Kartavya Path 14.
- Auto Expo 15.
- Mystery of Bose 16.
- Influence of Gandhi Ji 17.
- Business Event 18.
- Accomplishment of Aatmanirbhar Bharat 20.

नव वर्ष की शुरुवात

चारों तरफ सफेद-सफेद ओस के बादल छाए है। सुबह के समय भी हल्का सा अँधेरा है। चारों तरफ एक हल्की मीठी सी खुशबू है। आज साल का पहला दिन है। शीत लहर की शुरुवात अब पूरी तरीके से हो चुकी है। हाँ, यह बात भी है कि क्रिसमस के बाद ही बर्फ गिरने लगती है। लेकिन शरद ऋतु की शुरुवात तो साल के पहले दिन ही कही जाती है। आज साल 2023 है। हमने रात 12 बजे 31 दिसंबर 2022 को अलविदा कह दिया है। अब हम देखेंगे "नए साल का नया रंग" क्या है।

सबको यह पता है की नया साल हम 1 जनवरी को मनाते हैं। लेकिन क्या यह पता है कि आखिर इसी तारीख को हम नया साल क्यों मनाते हैं?

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि नया साल पहले 1 जनवरी को नहीं मनाया जाता था। नया साल लोग पहले कभी 25 मार्च को, तो कभी 25 दिसंबर को मनाते थे। 1 जनवरी को नया साल मनाने की शुरुआत 15 अक्टूबर 1582 में हुई थी। जिसकी शुरुआत रोम के राजा नूमा पोंपिलस ने की थी। उन्होंने अपने रोमन कैलेंडर में कुछ बदलाव किये, जिसके बाद साल की शुरुवात जनवरी की पहली तारीख को माना जानें लगा। इससे पहले लोग मार्च माह को साल का पहला दिन और महीना मानते थे। तो आइये इसके साथ आपको यह भी बता देते है कि इसके बदलाव के पीछे इसकी कहानी क्या है...

"रंग नया, उत्साह नया,
दिल का हर एक गीत नया ।
नया है विचार मेरा ,
जीने का भी अंदाज नया ।।"

प्रियंका

नव वर्ष के त्यौहार

आपको यह बताने से पहले पूछना चाहेंगे कि क्या आपको पता है मार्च का नाम "मार्स ग्रह" पर रखा गया है! मार्स यानी मंगल ग्रह जो कि रोम का युद्ध देवता है। रोम के लोग मार्स को पूजते हैं। जब सबसे पहले कैलेंडर का निर्माण किया गया था। तब उसमें सिर्फ 10 महीने हुआ करते थे। ऐसे में 1 साल में सिर्फ 310 दिन और 8 दिन का एक सप्ताह होता था।

बताया जाता है कि उस समय रोमन के शासक जुलियस सीजर ने कैलेंडर में बदलाव किए। जिसके बाद 1 जनवरी से नए साल की शुरुआत मानी जाने लगी। जूलियस ने कैलेंडर में बदलाव करने के बाद साल में 12 महीने कर दिए। इसके साथ ही जूलियस ने खगोलविदों से मुलाकात की जिसके बाद पता चला कि धरती पर 365 दिन और 6 घंटे में सूर्य की परिक्रमा होती है। इसका पता चलते ही जूलियस ने साल में 365 दिन कर दिए।

इतना ही नहीं इसके बाद पोप ग्रेगरी ने साल 1582 में जूलियस कैलेंडर में लीप ईयर को लेकर कुछ गलतियां भी निकाली थी। उस समय के मशहूर धर्मगुरु सेंट बीड ने बताया था कि 1 साल में 365 दिन 5 घंटे और 46 सेकंड होते हैं। जिसके बाद रोमन कैलेंडर में बदलाव किया गया और नया कैलेंडर बनाया गया। उसके बाद से 1 जनवरी को नया साल माना जाने लगा और आज तक 1 जनवरी को ही नया साल मनाया जाता है।

अब नए साल की बात हुई है तो लोग नए साल को अलग-अलग तरीके से मनाना पसंद करते है। नए साल पर, हर साल कोई न कोई कार्यक्रम आयोजित किये जाते है । जिसमें कुछ लोगों को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के कार्यक्रमों और कुछ लोगों को नव वर्ष के कार्यक्रमों में जाना पसंद होता है। हम आपको दिल्ली में होने वाले कुछ नव वर्ष के कार्यक्रमों और व्यंजनों के कार्यक्रमों के बारे में बता रहे है जिसकी जानकारी अगले पन्ने पर दी हुई है।

"श्रेष्ठ आदमी वही होता हैं जो विनम्र होता हैं,
आप चाहे किसी भी पद पर क्यों न हों, अगर विनम्र नहीं तो आप श्रेष्ठ नहीं।"

श्रीमद् भगवद् गीता

New Year Celebration

•NEW YEAR PARTY (HANGOVER - 2023)

Hotel Bravura Gold Resort
Delhi-Roorkee Bypass, NH 58, Partapur, Meerut, Uttar Pradesh
31 Dec 2022, 1 Jan 2023, 9 pm -1am

•BOLLYWOOD RETRO THEME for Families w Cocktails, Live

#3BROS Restaurant & Party Hall
Plot H1A/ 19, Near, Electronic City Metro Sta Rd, above Dominos, Sector 63, Noida, Uttar Pradesh
31 Dec 2022, 1 Jan 2023, 6 pm–1 am

•@Dockyard My Bar | NYE 2023

Dockyard By My Bar
Ground Floor, SCO 53, Sector 29, Gurugram, Haryana
31 Dec 2022, 1 Jan 2023, 7 pm – 1 am

•NEW YEAR'S EVE MEHFIL WITH ALI BROTHERS | NYE 2023

Molecule Air Bar
A-3, 2nd Floor, Main Road, above Mercedes Showroom, Green Park, New Delhi, Delhi
31 Dec 2022, 1 Jan 2023, 8 pm – 12:45 am

•New Year's Eve at 24/7 Bar

The Lalit
Fire Brigade Lane, Barakhamba, New Delhi, Delhi
31 Dec 2022,1 Jan 2023, 8 pm – 1 am

•New Year Party 2023 In Kalindi Kunj

Atlantic Water World
Kalindi Kunj Park Adjacent to Kalindi Kunj Metro Station, New Delhi, Delhi 31 Dec 2022 –1 Jan 2023

Education Mitra
शिक्षा का सारथी

Become...

CONSULTANT FOR

HIGHER EDUCATION

ONLINE EDUCATION

IS ONLINE & DISTANCE LEARNING IS RIGHT FOR YOU ?

DISTANCE LEARNING

COMPARISON BETWEEN

POPULAR COURSES

- B.B.A.
- B.Com
- M.B.A.
- M.Com
- B.C.A.
- B.A.
- M.C.A.
- M.A.

TOP UNIVERSITIES

- Lovely Professional University
- Swami Vivekanand Subharti University
- Suresh Gyan Vihar University
- IEC College Of Engineering & Technology

Why Us?

- Hassle Free Process
- A Team Of Skilled Counsellors
- Providing Right Information Right Time
- Inspiring Youth To Make a Best Choice
- Cost Free Unpaid Session

Contact Us :

Contact : +91 962-599-3408

Mail : support@educationmitra.in

Web : educationmitra.in

Education Expo

UK Education Expo 2023 -
Shangri-La Eros New Delhi
Sat, 21 Jan, 11 Am – 5 Pm
Shangri-La Eros New Delhi
19, Ashoka Rd, Janpath, Connaught Place, New Delhi, Delhi

Are you looking for the perfect opportunity to study in the UK this year? We are bringing you everything you need.

International Flora Expo
6 Jan 2023 -9 Jan 2023,11:30 Am – 6:30 Pm
NSIC Exhibition Ground
NSIC Estate, Okhla Phase III, Okhla Industrial Estate, New Delhi, Delhi

Bauma Conexpo India
31 Jan 2023 - 3 Feb 2023, 10 Am – 6 Pm
INDIA EXPO CENTRE & MART
Plot No. 23/25, 27/29, Knowledge Park II, Greater Noida, Uttar Pradesh

Bauma CONEXPO INDIA is the International Trade Fair for Construction Machinery, Building Material Machines, Mining Machines and Construction Vehicles in India.

India Rubber Expo
20–22 Jan 2023
Pragati Maidan
New Delhi, Delhi
India Rubber Expo is Asia's Largest Rubber Exhibition and has been at the forefront of offering the most incredible opportunities for businesses in the rubber industry.

INDUS- Tech Machine Tools & Automation Expo
6 Jan 2023 - 8 Jan 2023, 10 Am – 6 Pm
Town Park
Town Park Trail, Sector 12, Faridabad, Haryana

लोहड़ी - दुल्ला भट्टी

हमने साल की शुरुवात का जश्न तो मना लिया, लेकिन इसके बाद आने वाले उत्सव पंजाब की प्रसिद्ध लोहड़ी को हम कैसे भूल सकते है। जैसा की पंजाब की लोहड़ी का त्यौहार हिन्दू कैलेंडर के अनुसार पौष माह की आखिरी रात में मनाया जाता है। सिखों के लिए लोहड़ी खास मायने रखती है। त्यौहार के कुछ दिन पहले से ही इसकी तैयारी शुरू हो जाती, 2023 में **यह त्यौहार 14 जनवरी को मनाया जाएगा।** लोहड़ी के बाद से ही दिन बड़े होने लगते हैं। यह त्यौहार पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में बहुत धूम-धाम से मनाया जाता है।

" लोहड़ी के दिन लोग घर-घर जाकर दुल्ला भट्टी के साथ -साथ अन्य लोकगीत भी गाते है। लेकिन आजकल के व्यस्त जीवन में ऐसा कम हो रहा है। इसके अलावा बच्चे घर-घर लोहड़ी लेने भी जाते हैं और उन्हें खाली हाथ नहीं लौटाए जाता। उन्हें लोहड़ी के प्रसाद के रूप में गुड,मूंगफली,तिल, गजक या रेवड़ी दी जाती है। दिन भर लोग घर-घर जाकर लकड़ियां इकट्ठा करते है। जिसके बाद इन लकड़ियों को शाम के समय चौराहे पर या घरों के आस-पास खुली जगह पर जलाया जाता है। इस लोहड़ी अग्नि में तिल,गुड़ और मक्का का भोग लगाया जाता है, और लोहड़ी अग्नि की पूजा की जाती है। आग जलाकर लोहड़ी को सभी में बाटा जाता है। लोहड़ी के दिन लोग नाच-गाना भी करते हैं। जिसमें पुरुष भांगड़ा करते हुए, तो महिलाएं गिद्दा करते हुए नज़र आती है।"

जैसा कि भारत में किसी भी त्यौहार को मनाने का एक कारण होता है। उसके पीछे कोई ना कोई कहानी जरूर होती है, तो उसी तरह लोहड़ी त्यौहार मनाने के पीछे भी कई कथाएं जुड़ी हुई हैं। जिनमें से कुछ प्रसिद्ध कथाएं है।

•***Lohri Festival Event***

India Gate
New Delhi, Delhi
Fri, 13 Jan, 12 am

दुल्ला भट्टी की कहानी

दुल्ला भट्टी मध्यकाल के एक वीर थे जिन्होंने अकबर के शासन काल में मुगलों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया था। उन्हें 'अब्दुल भट्टी' भी कहते हैं। उनका जन्म पंजाब क्षेत्र के एक राजपूत परिवार में हुआ था। दुल्ला भट्टी की कथाएं लोकगाथाओं में भी पढ़ी जाती हैं। उन्हें 'उपकारी डाकू' की तरह याद किया जाता है। लोहड़ी का त्यौहार उनकी याद में मनाया जाता है। एक बार की बात है सुंदरदास नाम का एक किसान था। उसकी दो बेटियां थीं सुंदरी व मुंदरी और उस दौर में मुगल सरदारों का आतंक था और गांव के नंबरदार लड़कियों के लिए बड़ा खतरा भी, वो सुंदरदास को डराता था कि अपनी बेटियों की शादी उससे करवा दे। सुंदरदास ने इसकी शिकायत दुल्ला भट्टी से कही। दुल्ला नंबरदार के गांव जा पहुंचा और उसके खेत जला दिए। इसके बाद सुंदरदास की बेटी की शादी वहां करवाई जहां वो चाहता था। शादी के शगुन में शक्कर दी। इस दिन के बाद से आजतक लोहड़ी की रात को आग जलाकर पूजा-पाठ की जाती है। लोहड़ी के कई गीतों में भी दुल्ला भट्टी के नाम का ज़िक्र होता है।

"इसके अलावा कई अन्य कथाओं की भी मान्यता है | कहा जाता है कि मकर संक्रांति के दिन कंस ने श्री कृष्ण को मारने के लिए लोहिता नामक राक्षसी को गोकुल भेजा था, जिसे श्री कृष्ण ने खेल-खेल में ही मार दिया था। उसी घटना के फलस्वरूप लोहड़ी पर्व मनाया जाता है। वहीं दूसरी कथा में यह कहा गया है कि राजा दक्ष की पुत्री सती ने अपने पति भगवान शंकर के अपमान से दुखी होकर खुद को अग्नि के हवाले कर अपने शरीर का त्याग कर दिया था और उनकी याद में भी यह अग्नि जलाई जाती है।"

14 Jan 2023, Lohri Festival

मकर संक्रांती

हिंदू धर्म में सूर्यदेवता से जुड़े कई प्रमुख त्यौहारों को मनाने की परंपरा है। उन्हीं में से एक मकर संक्रांति है। शीत ऋतु के पौस मास में जब भगवान भास्कर उत्तरायण होकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं तो सूर्य की इस संक्रांति को मकर संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। **मकर संक्रांति हर साल 14 जनवरी को मनाई जाती है।**

शास्त्रों में मकर संक्रांति के दिन स्नान, ध्यान और दान का विशेष महत्व बताया गया है। पुराणों में मकर संक्रांति को देवताओं का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किया गया दान सौ गुना होकर वापस लौटता है। कहा गया है कि इस दिन शुद्ध घी एवं कंबल का दान मोक्ष की प्राप्ति करवाता है। महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिये मकर संक्रांति के दिन का ही चयन किया था। मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं।

"श्रीमद्भागवत एवं देवी पुराण के मुताबिक, शनि महाराज का अपने पिता से वैर भाव था क्योंकि सूर्य देव ने उनकी माता छाया को अपनी दूसरी पत्नी संज्ञा के पुत्र यमराज से भेद-भाव करते देख लिया था, इस बात से नाराज होकर सूर्य देव ने संज्ञा और उनके पुत्र शनि को अपने से अलग कर दिया था। इससे शनि और छाया ने सूर्य देव को कुष्ठ रोग का शाप दे दिया था। पिता सूर्यदेव को कुष्ट रोग से पीड़ित देखकर यमराज काफी दुखी हुए। यमराज ने सूर्यदेव को कुष्ठ रोग से मुक्त करवाने के लिए तपस्या की। लेकिन सूर्य ने क्रोधित होकर शनि महाराज के घर कुंभ जिसे शनि की राशि कहा जाता है उसे जला दिया। इससे शनि और उनकी माता छाया को कष्ठ भोगना पड़ा। यमराज ने अपनी सौतली माता और भाई शनि को कष्ट में देखकर उनके कल्याण के लिए पिता सूर्य को काफी समझाया। तब जाकर सूर्य देव शनि के घर कुंभ में पहुंचे। कुंभ राशि में सब कुछ जला हुआ था। उस समय शनि देव के पास तिल के अलावा कुछ नहीं था इसलिए उन्होंने काले तिल से सूर्य देव की पूजा की। शनि की पूजा से प्रसन्न होकर सूर्य देव ने शनि को आशीर्वाद दिया कि शनि का दूसरा घर मकर राशि मेरे आने पर धन धान्य से भर जाएगा। तिल के कारण ही शनि को उनका वैभव फिर से प्राप्त हुआ था। इसलिए शनि देव को तिल प्रिय है। इसी समय से मकर संक्रांति पर तिल से सूर्य एवं शनि की पूजा का नियम शुरू हुआ।"

14 Jan 2023, Makar Sakranti

वसंत पंचमी

माँ सरस्वती की आराधना

कहा जाता है कि इस दिन ज्ञान की देवी माँ सरस्वती माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को अपने पिता ब्रह्माजी के मुख से प्रकट हुई थीं। यही वजह है कि बसंत पंचमी पर मुख्य रूप से माँ सरस्वती की पूजा की जाती है। कहते हैं कि इस दिन पूरे विधि-विधान के साथ माँ सरस्वती की पूजा करने से बुद्धि सदैव योग्य रहती है और पूजा करने वाले को अपने जीवन के सही फैसले लेने में मदद मिलती है। आज के परिप्रेक्ष्य में सभी लोगों के लिए माँ सरस्वती की पूजा करना अनिवार्य माना गया है। सभी लोगों को अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करेन के लिए ज्ञान और बुद्धि-विवेक की आवश्यकता होती है। ऐसे में माँ सरस्वती की पूजा करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और सभी कार्यों में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं।

बसंत पंचमी पर माँ सरस्वती की पूजा के साथ ही बसंत ऋतु का प्रारंभ हो जाता है। इस अवसर पर श्रृद्धालु पीले वस्त्र पहनकर मां सरस्वती की पूजा करते हैं। बसंत पंचमी इस **बार 25 जनवरी को मनाया जाना है।**

मान्यता है कि यदि आप कला या शिक्षा से जुड़ा कोई भी नया कार्य आरंभ करना चाहते हैं तो यह दिन सबसे शुभ माना जाता है। इस दिन कामदेव और रति की पूजा भी की जाती है और साथ में भगवान कृष्ण और राधा रानी की उपासना भी होती है। मान्यता है कि इस दिन रात के वक्त कामदेव अपनी पत्नी रति के साथ धरती पर भ्रमण करने आते हैं। इसलिए जो पति-पत्नी इस दिन कामदेव और रति की पूजा करते हैं उनके वैवाहिक जीवन में कोई अड़चन नहीं आती है और जीवन सुख के साथ बीतता है।

"तू स्वर की दाता हैं,
तू ही वर्णों की ज्ञाता.
तुझपे ही नवाते शीष,
हे शारदा मैया दे अपना आशीष"

25 Jan 2023, Vasant Panchami

FOOD EVENTS 2023

•Let's rock & roll with our first potluck in town with passionate foodies!

The Pint Room
First Floor, Crosspoint Mall, DLF Phase 4, DLF Galleria Rd, opposite Galleria, DLF Phase IV, Gurugram, Haryana
Sat, 7 Jan, 7–10 pm

•Food Quality and Safety Congress India

IHG Hotel
Asset Area 12 Hospitality District, Aerocity, New Delhi, Delhi
18–19 Jan 2023

•Flavours of India - Food Festival
Jawaharlal Nehru Stadium

Pragati Vihar, New Delhi, Delhi
20 Jan 2023, 22 Jan 2023, 12 pm – 10 pm

Modelling Events

MR, MISS & MRS INDIA

•Skywalk Productions Pvt Ltd

205 2nd floor dmall, Netaji Subhash Place, Delhi

Sun, 1 Jan 2023 , 12 am

Apart from this, those who want to try themselves in the world of modeling or acting, then take part in the competition to be held in Aligarh. For more information you can check by visiting the website.

Number - 9650145145
Mail - @skywalkproductions.com
Website - https://www.skywalkproductions.com/

२६ जनवरी

Journey of Kingsway to Kartavya Path

भारत में हर साल **26 जनवरी को गणतंत्र दिवस** के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन से भारत में संविधान लागू हुआ था। बरसों तक अंग्रेजों की गुलामी सहने के बाद भारत को 15 अगस्त 1947 में आजादी मिली थी और इसके करीब तीन साल बाद 26 जनवरी 1950 को देश में संविधान लागू किया गया। 26 नवंबर को हर साल संविधान दिवस भी मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन 1949 को भारत की संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया था। लेकिन इस बार 26 जनवरी लोगों के लिए खास क्यों है ? ऐसा क्या है इस बार ? हर साल तो 26 जनवरी को मनाया जाता है!

तो इसका जवाब है हमारा राजपथ, जहां हर साल आकर्षक समारोह का आयोजन होता है। सैन्य दलों, मिलिट्री बैंड मिलकर भव्य परेड करते है। जो राजपथ से चलकर इंडिया गेट पर खत्म होती है। इनके अलावा राजपथ पर राज्यों, विभागों और सैन्य बलों की झांकियां भी निकाली जाती है।

लेकिन राजपथ इस बार इसलिए खास है क्योंकि राजपथ का नाम बदलकर 2022 में कर्तव्य पथ रख दिया गया। और इस बार 2023 में कर्तव्य पथ पर झंडारोहण माननीय पीएम नरेंद्र मोदी करने वाले है। अंग्रेजों के राज के समय राजपथ को किंग्सवे कहा जाता था। **"1911 में किंग जॉर्ज पंचम दिल्ली दरबार में हिस्सा लेने के लिए यहां आए थे। इस दौरान कोलकाता की जगह दिल्ली को भारत की राजधानी बनाने की घोषणा हुई थी। इसलिए अंग्रेजों ने किंग जॉर्ज पंचम के सम्मान में इस जगह का नाम किंग्सवे रखा था। किंग्सवे के रूप में यह ब्रिटिश हुकूमत की शाही पहचान का प्रतीक था। आजादी के बाद 1955 में इसका नाम बदलकर राजपथ किया गया। जो की अब 2022 से बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया।"**

कर्तव्य पथ का दायरा रायसीना हिल्स पर बने राष्ट्रपति भवन से शुरू होता है और विजय चौक, इंडिया गेट, फिर नई दिल्ली की सड़कों से होते हुए लाल किले पर खत्म हो जाता है। क्या आपको पता है कि राजपथ को किसने बनाया था? तो इसका जवाब है कि राजपथ को इडविन लुटियंस और हरबर्ट बेकर ने बनाया था। ये दोनों ब्रिटिशकाल में भारत के मशहूर आर्किटेक्ट माने जाते थे। इन दोनों ने दिल्ली की इमारतों और सड़कों को बनाने का काम सरदार नारायण सिंह को दिया था। सरदार नारायण सिंह ने ही इसका ठेका लिया था।

तब के हिसाब से नारायण सिंह ने बहुत ही मजबूत और किफायती सड़क बनाईं। तब सड़कों के नीचे भारी पत्थर डाल दिए जाते थे, फिर रोड़ी और तारकोल से सड़कें बनती थीं। करीब बीस साल तक दिल्ली में सड़कों को बनाने का काम जारी रहा। आज भी दुनियाभर के शहरी इलाकों में बिटुमिनस तकनीक से सड़कें बन रही हैं। इस तकनीक के इस्तेमाल से सड़कें सस्ती और टिकाऊ बन जाती हैं और ध्वनि प्रदूषण भी नहीं फैलता।

AUTO EXPO 2023

Auto Expo -The Motor Show 2023

INDIA EXPO CENTRE & MART

Plot No. 23/25, 27/29, Knowledge Park II, Greater Noida, Uttar Pradesh

13 Jan 2023 to 18 Jan 2023, 10 Am - 6 Pm

Auto Expo

Pragati Maidan

2 Jan 2023 to 15 Jan 2023, 10 Am - 6 Pm

New Delhi, Delhi

AUTO EXPO COMPONENT 2023

is the leading automobile exhibition & expo in Delhi, focusing on Automotive Components & Spare Parts and Garage Equipment and Services.

बोस का रहस्य

अब स्वतंत्रता की बात हुई है, तो अपने सेनानियों को याद करना कैसे भूल सकते है! स्वंत्रता सेनानियों में तो हम कई क्रांतिकारियों को याद करते है, लेकिन उनमें से एक ऐसे भी थे जिन्होंने 'आजाद हिन्द फ़ौज' का गठन किया था। शायद आपने सही समझा, उस सेनानी का नाम है 'आज़ाद हिन्द' के 'सुभाषचन्द्र बोस'।

भारतीय स्वतंत्रता के प्रमुख सेनानी नेता जी सुभाषचन्द्र **बोस की 116 वीं जयंती 23 जनवरी 2023 में मनाई जाएगी।** सुभाषचन्द्र बोस भारतीय इतिहास के ऐसे युग पुरुष हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई को एक नया मोड़ दिया था। भारत को आजाद कराने में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की भूमिका काफी अहम थी। उन्होंने आजाद हिद फौज का गठन कर अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। उनके जीवन का संघर्षों भरा सफर और उनके द्वारा देश को स्वतंत्र कराने के प्रयासों को एक अमर-गाथा के रूप में आज भी याद किया जाता है।

उन्होंने कहा था, "स्वतंत्रता संग्राम के मेरे साथियों! स्वतंत्रता बलिदान चाहती है। आप ने आजादी के लिए बहुत त्याग किए हैं, किंतु आपकी जान की आहुति अभी बाकी है। मैं आप सबसे एक चीज मांगता हूं और वह है खून। दुश्मन ने हमारा जो खून बहाया है, उसका बदला सिर्फ खून से ही चुकाया जा सकता है। इसलिए तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा। इस प्रतिज्ञा-पत्र पर साधारण स्याही से हस्ताक्षर नहीं करने हैं। वे आगे आएं जिनकी नसों में भारतीयता का सच्चा खून बहता हो। जिसे अपने प्राणों का मोह अपने देश की आजादी से ज्यादा न हो और जो आजादी के लिए सर्वस्व त्याग करने के लिए तैयार हो।"

नेताजी सुभाषचंद्र बोस (Subhash Chandra Bose) का जन्म 23 जनवरी, 1897 को उड़ीसा के कटक शहर में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। पिता शहर के मशहूर वकील थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए नेताजी ने आजाद हिन्द फौज का गठन किया। बोस द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा देश का राष्ट्रीय नारा बन गया।

सुभाष चन्द्र ने सशस्त्र क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर, 1943 को 'आजाद हिन्द सरकार' की स्थापना की और 'आजाद हिन्द फौज' का गठन किया। इस संगठन के प्रतीक चिह्न एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र बना होता था। आजाद हिद फौज या इंडियन नेशनल आर्मी की स्थापना वर्ष 1942 में हुई थी। कदम-कदम बढाए जा, खुशी के गीत गाए जा – इस संगठन का वह गीत था, जिसे गुनगुना कर संगठन के सेनानी जोश और उत्साह से भर उठते थे।

कभी नकाब और चेहरा बदलकर अंग्रेजों को धूल चटाने वाले नेताजी की मौत भी बड़ी रहस्यमयी तरीके से हुई। द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद नेताजी को नया रास्ता ढूंढ़ना जरूरी था। उन्होंने रूस से सहायता मांगने का निश्चय किया था। 18 अगस्त, 1945 को नेताजी हवाई जहाज से मंचूरिया की तरफ जा रहे थे। इस सफर के दौरान वे लापता हो गए। इस दिन के बाद वे कभी किसी को दिखाई नहीं दिए। 23 अगस्त, 1945 को जापान की दोमेई खबर संस्था ने दुनिया को खबर दी कि 18 अगस्त के दिन नेताजी का हवाई जहाज ताइवान की भूमि पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उस दुर्घटना में बुरी तरह से घायल होकर नेताजी ने अस्पताल में अंतिम सांस ली। लेकिन आज भी उनकी मौत को लेकर कई शंकाए जताई जाती हैं।

"सुबह से पहले अँधेरी घडी अवश्य आती हैं ! बहादुर बनो और संघर्ष जारी रखो ,क्योंकि स्वतंत्रता निकट हैं ! "

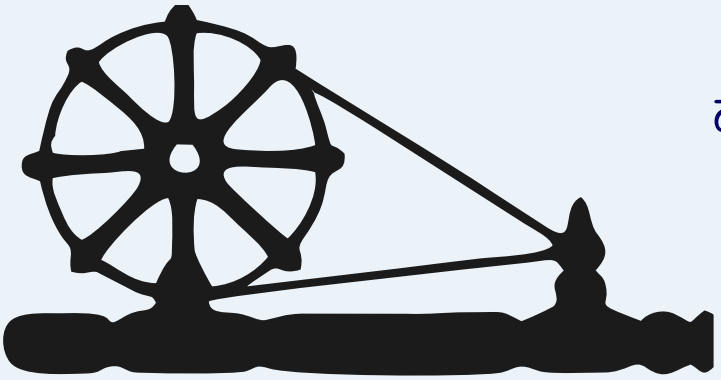

गाँधी का प्रभाव

"आप भी अपने आप में वह परिवर्तन लाएं जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।"

अब जहाँ क्रांतिकारी वीर की बात हुई है, तो हम अहिंसा प्रेमी हमारे बापू महात्मा गाँधी जी को कैसे भूले।

30 जनवरी 1948, यह वही तारीख और साल है जब हमने अपने राष्ट्रपिता अपने बापू को खो दिया। जब पूरे भारत में काला अंधेरा छा गया। जिसके बाद से बापू अपने शरीर से तो संसार में नहीं रहे लेकिन उनके विचारों ने पूरे विश्व को एक बार फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या हिंसा का रास्ता दुनिया की सारी समस्यासओं का समाधान है?

बापू की शहादत को 30 जनवरी 2023 में 75 वर्ष हो जायेंगे। जब समूचे विश्व में एक अलग किस्म की फ़सात है, हिंसा है और एक पागलपन की होड़ है जिसका अंजाम शायद तृतीय विश्वयुद्ध तक में तब्दील हो सकता है।

हाल ही के दिनों में घटित ऐसी घटना जिसमे गांधी जी के ऊपर कहे गए अपशब्द सुनकर मन कचोटता है। एक ऐसे दौर में जबकि हिंसा हर समस्या के समाधान के रूप में देखी जा रही है वहां मनुष्य सभ्यता के लिए गांधी जी के विचार सर्वाधिक हो गए हैं।

गांधी जी कहते थे-
"मैं अकेला ही इस दुनिया में आया, अकेला ही मौत के साए की घाटी में चला हूं और समय आने पर अकेला ही यह दुनिया छोड़ जाउंगा।"

महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने गांधी जी के बारे में कहा था-
"भविष्य की पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करने में मुश्किल होगी कि हाड़-मांस से बना ऐसा कोई व्यक्ति भी कभी धरती पर आया था"।

सत्याग्रह गांधीजी के अहिंसक पद्धति का मूलमंत्र रहा है, इसका अर्थ है सभी प्रकार के अन्याय, उत्पीड़न और शोषण के खिलाफ आत्म-शक्ति का प्रयोग करना। आज के मौजूदा हालत और वैश्विक परिदृश्य में गांधी जी का यही मंत्र विश्व शांति को स्थापित कर सकता है। अहिंसा गांधीवाद के इस एक प्रमुख तत्व ने ब्रिटिश राज के खिलाफ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गांधीजी द्वारा इसका सही इस्तेमाल करते हुए अंग्रेजी हुकूमत को असहाय कर दिया था। गांधीजी मानते थे अहिंसा और सहिष्णुता के लिए बड़े स्तर के साहस और धैर्य की आवश्यकता होती है। हिंसा और आतंकवाद से प्रभावित दुनिया, युद्ध के दौर से गुजर रही दुनिया, गृहयुद्ध जैसे हालात से जूझती यह दुनिया और वैश्विक महामारी के संकट में मूलभूत सुविधाओं के लिए लड़ती इसी दुनिया को गांधी जी के बताए सत्य, अहिंसा, स्वराज और आत्मनिर्भरता को अपनाना होगा।

सर्वोदय का मंत्र: गांधीजी कहते थे-
'सार्वभौमिक उत्थान' या 'सभी की प्रगति' ही सर्वोदय है। गांधी जी ने राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर जॉन रस्किन की पुस्तक "अनटू दिस लास्ट" को अनुवाद करते हुए सर्वोदय का मंत्र दिया था।

शांति के दूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को 1937, 1938, 1939, 1947 में नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था और आखिरी बार जनवरी 1948 में उनकी हत्या से कुछ दिन पहले। लेकिन विडंबना देखिए, गांधी जी के पढ़ाए पाठ पर जब मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला जैसे लोगों को शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया तो उन्होंने बेझिझक स्वीकार किया कि वे गांधी के अहिंसा मार्ग से प्रेरित रहे हैं।

गांधी जी के लिए हर साल सही श्रद्धांजलि यही है कि उनके बताये मार्ग को अपनाया जाये। जिसमे विश्व शांति का पाठ और लोक-कल्याण का मंत्र भी छिपा है, इसलिए गांधीजी कहते थे- **"खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं"।**

Business Events

Taxation & Business Guide By Expert Team
Sat, 7 Jan, 11 am – 2 pm
Agarwal Taxcon Pvt. Ltd.
B-10, KHOSLA COMPLEX, Gagan Vihar Extension, New Delhi, Delhi

Business and Luxury Travel Mart Delhi
31 Jan–1 Feb 2023
The Leela Ambience Convention Hotel, Vishwas Nagar Extension, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi

IndiaFirst Tech Start Up
19–20 Jan 2023
New Delhi, Delhi
IndiaFirst Tech Start-up series is an initiative of AICRA to encourage technology startups and AICRA members to work together and create partnerships that is beneficial to both the stakeholders.

New Delhi's Big Business Tech & Entrepreneur Professional Networking Affair
Mon, 9 Jan, 6 – 9 pm
Pacific Mall Tagore Garden
Najafgarh Rd, Tagore Garden, Tilak Nagar, New Delhi, Delhi

International Conference on Advances in Business Management and Information
15–16 Jan 2023
The Suncourt Hotel Yatri
8A, 33, Channa Market, Block 8A, WEA, Karol Bagh, New Delhi, Delhi

Business presentation
Mon, 2 Jan, 12 pm
Janak Cinema
RWA Colony, Janakpuri, Delhi

International Conference on the Global Goals for Sustainable Development - 17 SDGs
20–21 Jan 2023
Vivekananda Institute of Professional Studies
Outer Ring Rd, AU Block, Ranikhet, Pitam Pura, New Delhi, Delhi

edutantra®
EDUCATION KA NAYA MANTRA

DISTANCE EDUCATION

Distance Learning & Online Education

NOW OPEN FOR REGISTRATION

Academic Collaboration with Top leading Universities

Subharti University
Suresh Gyan Vihar University
Lovely Proffessional University
NMIMS University

We change the way of Learning !

- *Talented & Experienced Educators.*
- *Doubt Sessions for your queries.*
- *Live Interaction With our Educators.*
- *Powerful video Lecture and Course Material.*
- *Distance Learning Solutions for Tomorrow.*
- *Join the Plus Community In LMS to Uplift your Carrier.*
- *Learning Management System (LMS) Platform to learn new skills.*

Key Features

Learning Management System
Impactful Video Classes
Wide Range Of Programs
Easy Admission Process
Distance Learning
Course Materials
Friendly Interface
Expert Teachers

ONLINE EDUCATION

Have Question ? Get in touch!

+91 704-235-0324
info@edutantra.in

आत्मनिर्भर भारत की सफलताएं

जहां साल 2023 की शुरुआत हो रही है। वहीं 2022 भारत के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों से भरा रहा। इस साल भारत ने कई बड़े मुकाम को हासिल किया। यह संयोग की ही बात है कि साल 2022 के दिसंबर में भारत को जी-20 के साथ ही साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता भी हासिल हुई। इससे दुनिया भर में भारत की बढ़ती साख का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। दुनिया के तमाम देशों का भरोसा भारत पर बढ़ा है। इसके अलावा कई अन्य अंतराष्ट्रीय उपलयिां भी इसी वर्ष भारत के नाम हुईं।

"भारत को जी-20 की अध्यक्षता 1 दिसंबर 2022 को ऐसे वक्त में मिली है। जब रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध चल रहा है। साथ ही तीसरे विश्व युद्ध का खतरा भी दुनिया पर बढ़ा है। भारत शुरू से ही कूटनीति और आपसी बातचीत के जरिये रूस और यूक्रेन से युद्ध को समाप्त करने की अपील करता आ रहा है। इस दौरान भारत ने पूरी दुनिया पर बढ़ते ऊर्जा और खाद्य संकट को लेकर भी सभी देशों का न सिर्फ ध्यान आकृष्ट करवाया है, बल्कि इससे निपटने के उपाय भी बताए।"

जी-20 और यूएनएसी की अध्यक्षता भारत को ऐसे वक्त में मिली है, जब दुनिया रूस और यूक्रेन युद्ध का साइड इफेक्ट झेल रही है। साथ ही अफगानिस्तान में आतंकवादियों ने सरकार बना ली है। पाकिस्तान में आतंक फल-फूल रहा है और भारत की वास्तविक नियंत्रण रेखा और नियंत्रण रेखा पर चीन व पाकिस्तान जानबूझकर देश की अखंडता और संप्रभुता को ललकार रहे हैं। ऐसे वक्त में उक्त दो महासंगठनों का अध्यक्ष होने के नाते भारत के पास मौका है आतंकवाद के खिलाफ माहोल तैयार करने का, चीन और पाकिस्तान की हरकतों से दुनिया को अवगत कराने और उनके खिलाफ देशों को इकट्ठा करने का। इसके साथ ही ऊर्जा संकट का समाधान खोजने के प्रति दुनिया को प्रेरित करने का भी मौका है।

साल 2022 भारत के लिए इसलिए भी अहम है कि इस दौरान जब पूरी दुनिया मंदी की चपेट में आकर त्राहि माम कर रही थी तो एक छोर पर भारत दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा हो गया। भारत ने पूरे विश्व को अपनी ताकत का एहसास करा दिया।

भारत ने दुनिया के तमाम देशों को पीछे छोड़ते हुए वर्ष 2022 में 5जी नेटवर्क की शुरुआत कर दी। यह देखकर चीन, अमेरिका समेत अन्य देश भी हैरान रह गए। 5 जी टेक्नोलॉजी का अब पूरे देश में विस्तार किया जा रहा है। इसके बाद भारत में सूचना की गति कई गुना तेज हो जाएगी। इससे स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीकि, उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में बड़े परिवर्तन की भी उम्मीद की जा रही है।

साल 2022 चंद्रमा के लिए भारत का पहला मानव रहित अंतरिक्ष मिशन बन गया। मार्स ऑर्बिटर मिशन या मंगलयान ने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश और पहले प्रयास में ऐसा करने वाला पहला देश बना दिया।

इन सभी के उपलब्धियों के अलावा भारत ने साल 2022 में सबसे अहम अपने आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मनाया। जिसे 15 अगस्त 2022 को मनाया गया। इसी के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजपथ का नाम बदल कर कर्तव्य पथ रख दिया। जो अपने आप में भारत के लिए एक महान उपलब्धि है।

NATION
Live
खबरों की खबर
NATIONAL PRECEPTOR VIVA AWARD 2022
Jhelam Express
NATIONAL NEWSPAPER
HOW IS JAMIA HUMDARD UNIVERSITY
VELLORE INSTITUTE OF TECHNOLOGY
LOVELY PROFESSIONAL UNIVERSITY
UTTAR PRADESH NEET PG COUNSELLING 2022
M.B.A IN HEALTHCARE MANAGEMENT
NARSEE MONJEE INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES
NONSTOP
आज की बड़ी खबरें
EXCLUSIVE
आज का भारत
हकीकत से रूबरू
KNOW YOUR SCHOOL
C.R. OASIS Convent
N.K. BAGRODIA PUBLIC SCHOOL
GYAN SAGAR CONVENT SCHOOL
M.L. KHANNA DAV Public School
K.R.D PUBLIC SCHOOL
THE MANN SCHOOL
डिफेन्डर
LET US SAVE THE SINKING SHIP-THE DISTANCE EDUCATION
राजनीति का तीस मार खां शिवराज
लालू के लालटेन की रौशनी में, नितीश का तीर चल गया
Art
CENTRE FOR EDUCATION
NATIONAL Preceptor Viva Award 2022

SUBSCIPTION REQUEST

DEFENDER
डिफेन्डर
पहल भारत निर्माण की

Option	Period	Issues	Tick (✓) One	You Pay
1.	1 Year	12 Issues		Rs. 350/-
2.	2 Year	36 Issues		Rs. 900/-
3.	3 Year	60 Issues		Rs. 1500/-

Yes, I would like to subscribe **DEFENDER**

Name : Mr./Mrs.

Address :

Pin

Ph : (O) (R) E-mail :

Plaese find enclosed DD/Pay Order/Cheque No. Drawn on bank

Dated For Rs. Favour of **Jan Media Pub. Pvt. Ltd.** payable at Delhi

Date

Signature

Please mail this form (or photocopy) with your rementance to:

DEFENDER

मुख्य कार्यालय : 29/2, विजय एन्कलेव, डाबरी पालम रोड़, नई दिल्ली-110045

TEL: +91 9971999976 E-MAIL : janmedia.in@gmail.com WEBSITE : janmedia.in

FACEBOOK : www.facebook.com / Nation Live TWITTER : @nationlive

YOUTUBE : www.youtube.com / Nation Live IPTV INSTAGRAM : @nation_live_

Cough, Cold or Something More,

WE BRING THE DOCTOR TO YOU.

Dr.AXICO
Way To Wellness

- Result Oriented Strategies
- Modern Technology
- Diet & Lifestyle Planners
- 24x7 Online Doctors Availability
- Our Certified Medicinal Kits

Self Assessments

Liver Savior
Women Care
Male Rejuvenator
Obesity Pacifire
Diabetes Manager
Natural Kidney Care
Detox Management
Ortho Fortify
Acidity Uprooter
Thyro guard
Fibroid

BOOK YOUR CONSULTANT NOW !

+91 931 082 8505

Website : www.draxico.com
Mail : customer@draxico.com

DEFENDER

डिफेन्डर

पहल भारत निर्माण की

Add : 29/2, Vijay Enclave, Dabri Palam Road, New Delhi-110045

www.janmedia.in janmedia.in@gamil.com